अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार

//

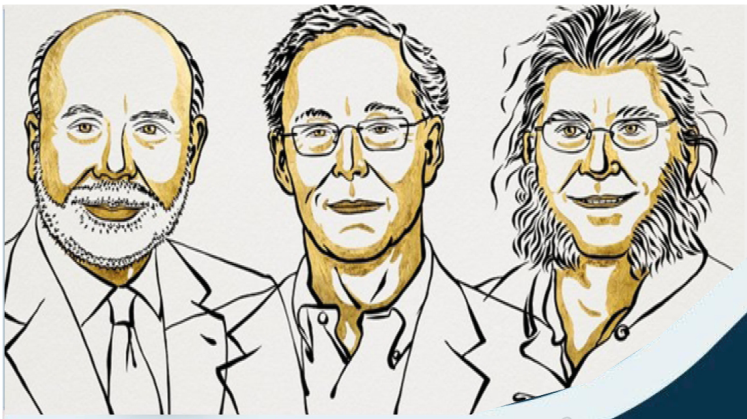

अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार 2022

विजेता

- बेन एस. बर्नानके, डगलस डब्ल्यू. डायमंड और फिलिप एच. डायबविग

अनुसंधान का आधार

- बैंकों की अस्थिरता और बैंकिंग संकट के दीर्घकालिक परिणामों के पीछे का कारण
- बैंकों की स्थिति में गिरावट से नुकसान
- अर्थव्यवस्था में गिरावट के बाद नए बैंक स्थापित करने में विफलता

महत्त्व

- अनुसंधान समाज के लिये गंभीर परिणामों के साथ दीर्घकालिक मंदी की स्थिति में विकसित होने वाले वित्तीय संकट के जोखिम को कम करता है।

भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेता

- 1998 में, अमर्त्य सेन को **"कल्याणकारी अर्थशास्त्र में उनके योगदान के लिये"** अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- 2019 में, अभिजीत बनर्जी को वैश्विक गरीबी को कम करने के लिये उनके प्रयोगात्मक कार्य हेतु उनकी पत्नी एस्थर डुफ्लो और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के मिशेल क्रेमर के साथ अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल पुरूस्कार से सम्मानित किया गया था।

योगदान

बेन एस. बर्नानके:

- बेन बर्नानके ने **1930 के दशक की महामंदी** का विश्लेषण किया, जो आधुनिक इतिहास में सबसे खराब आर्थिक संकट था और यह प्रदर्शित किया कि कैसे असफल बैंकों ने मंदी में निर्णायक भूमिका निभाई।
- उन्होंने बताया कि **कैसे बैंक सुविधाओं का जारी रहना इस गहरे और दीर्घकालिक संकट में एक निर्णायक कारक** था।
- उन्होंने बैंक के सुचालित विनियमन के महत्त्व को समझाने में भी मदद की।
  - ✶ बर्नानके उस समय अमेरिकी केंद्रीय बैंक, फेडरल रिजर्व के प्रमुख थे, जब 2008 का संकट उत्पन्न हुआ था और उन्होंने "अनुसंधान से प्राप्त अपने ज्ञान से नीति निर्माण" में मदद की थी।

डगलस डब्ल्यू. डायमंड और फिलिप एच. डायबविग:

- डायमंड और डायबविग दोनों ने **सैद्धांतिक मॉडल** विकसित करने के लिये मिलकर काम किया ताकि यह समझ सकें कि बैंकों की उपस्थिति क्यों आवश्यक है, समाज में उनकी भूमिका उन्हें अपने आसन्न पतन के बारे में अफवाहों के प्रति किस प्रकार संवेदनशील बनाती है और समाज इस भेद्यता को कैसे कम कर सकता है। ये अंतर्दृष्टियाँ आधुनिक बैंक विनियमन की नींव रखती हैं।
- उन्होंने **सरकार की ओर से जमा बीमा** के रूप में बैंक की भेद्यता का समाधान प्रस्तुत किया।
- डायमंड ने यह भी दिखाया कि **बचतकर्त्ताओं और उधारकर्त्ताओं के बीच मध्यस्थ के रूप में बैंक उधारकर्त्ताओं की साख का आकलन करने एवं यह सुनिश्चित करने के लिये अनुकूल हैं कि ऋण का उपयोग अच्छे निवेश हेतु किया जाता है।**

DRISHTI IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/economic-nobel-1